ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-01-2025

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-01-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-01-04	2025-01-05	2025-01-06	2025-01-07	2025-01-08
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	29.0	25.0	23.0	22.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	12.0	12.0	10.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	12	11	17	18	17
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	32	18	27	33	27
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	11	8	12	9
पवन दिशा (डिग्री)	59	72	147	214	316
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	3	8	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी दिनों में बादल छाए रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 22.0 से 29.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 08.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 8-12किमी/घंटा रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

आगामी दिनों में बादल छाए रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 22.0 से 29.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 08.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 8-12किमी/घंटा रहने की संभावना है।

लघु संदेश सलाहकार:

गाजर में पत्ती धब्बा रोग के नियन्त्रण के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	यदि गेहूं की फसल में पहली सिंचाई पर नत्रजन नही दिया गया है तों दूसरी सिंचाई के समय फुटाव की अवस्था पर (बुवाई के 45 दिन बाद) 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टर की दर से दें।
सरसों	सरसों की फसल में सफेद रोली रोग की लगातार निगरानी करें। सफेद रोली रोग से फसल बुवाई के 50 से 60 दिन बाद या दिसंबर माह में पतियों की निचली सतह पर सफेद रंग के ऊभरे हुए फफोले दिखाई देते है। फफोलो की ऊपरी सतह पर पतियों पर पीले रंग के धबे दिखाई देते है। इसकी रोकथाम के लिए प्रथम छिड़काव मेटालेक्सिल 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर) का घोल बनाकर छिड़काव करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरा की फसल में माहू (एफिड) के प्रभावी नियंत्रण के लिये थियामेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 100 ग्राम/ हेक्टेयर या एसिटामिप्रिड 20% एसपी @ 01 मिलीलीटर/02 लीटर पानी के साथ छिड़काव करें।
	वर्तमान मौसम की परिस्थितियाँ आने वाले दिनों में इसबगोल में माहू (एफिड) के हमले के लिए अनुकूल हैं, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल @ 150 मिलीलीटर या एसीफेट 75% एसपी @ 500 ग्राम/हेक्टेयर का छिड़काव करें।
जीरा	जीरे और इसबगोल की फसल में उखटा रोग का प्रकोप पौधों की छोटी अवस्था में अधिक होता है। रोग के नियंत्रण के लिए दो ग्राम रिडोमिल प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
लहसुन	लहसुन की फसल मे 10-12 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेड़	भेड़ और बकरी को सर्दी से बचाएं तथा रात में गर्म स्थान जैसे की छत के नीचे या घास फूस के छप्पर में बाधें तथा बिछावन को समय समय पर बदले रहें।